vinetur

इटली के बेल-नर्सरी समूहों की नीति-निर्माताओं से अपील : बेलें उखाड़ने के बजाय पुनःरोपण को दें धन

उनका कहना है कि प्रमाणित रोपण सामग्री के साथ नवीनीकरण से उत्पादक कमजोर मांग, सूखे, गर्मी और रोगों के दबाव से बेहतर ढंग से निपट सकेंगे

शुक्रवार, 13 नवंबर 2026



इटली का अंगूर-बेल नर्सरी उद्योग नीति-निर्माताओं से सार्वजनिक धन बेलें उखाड़ने के लिए उत्पादकों को भुगतान करने के बजाय अंगूर के बागों के पुनर्निर्माण पर खर्च करने की अपील कर रहा है। उसका तर्क है कि इटली के वाइन उत्पादन को कमजोर मांग और जलवायु के दबाव के अनुरूप ढालने के लिए पुनःरोपण, नई रोपण सामग्री और तेज़ नवाचार की जरूरत है।

यह प्रस्ताव गुरुवार, 12 नवंबर को Unione Italiana Vini की प्रकाशित एक रिपोर्ट में सामने रखा गया। रिपोर्ट के अनुसार, नर्सरी क्षेत्र के दो समूह—Miva और Associazione Vivaisti Viticoli Friuli Venezia Giulia—चाहते हैं कि उपलब्ध संसाधन बेलें उखाड़ने के प्रोत्साहनों के बजाय अंगूर के बागों के पुनर्गठन और नवीनीकरण पर लगाए जाएं।

इन समूहों का तर्क है कि इटली की वाइन के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान केवल रोपित क्षेत्र घटाकर नहीं किया जा सकता। उनका मानना है कि अंगूर के बागों को इस तरह नए सिरे से तैयार करने की जरूरत है कि वे उपभोक्ता मांग में बदलाव, मौसम के बढ़ते जोखिम और दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन के अनुरूप बेहतर ढंग से काम कर सकें। इसके लिए

ऐसी किस्मों, क्लोनों और रूटस्टॉक्स में निवेश करना होगा जिन्हें भविष्य की खेती की परिस्थितियों के लिए अधिक उपयुक्त माना जाता है। साथ ही, प्रमाणित बेलों, ट्रेसबिलिटी, पौध-स्वास्थ्य की गारंटी और बाग लगाने से पहले होने वाले शोध को अधिक महत्व देना होगा।

यह बहस इटली के वाइन उद्योग के लिए संवेदनशील समय में हो रही है। उद्योग कुछ बाजारों में कमजोर खपत, निर्यात की बदलती परिस्थितियों और अंगूर के बागों को सूखे, गर्मी और रोगों के दबाव के अनुकूल बनाने की बढ़ती लागत से जूझ रहा है। बेलें उखाड़ने पर सब्सिडी देने या बागों के नवीनीकरण पर सहायता देने का नीतिगत फैसला न केवल भविष्य में अंगूर की आपूर्ति, बल्कि नर्सरी स्टॉक की मांग, किस्मों के नवीनीकरण की रफ्तार और बाजार की बदलती जरूरतों पर उत्पादकों की प्रतिक्रिया देने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। व्यापक पेय क्षेत्र के लिए, इससे आगे चलकर बाजार में आने वाली वाइन की मात्रा और किस्मों के मिश्रण के साथ-साथ पूरी आपूर्ति शृंखला में निवेश के फैसले भी प्रभावित हो सकते हैं।

Unione Italiana Vini ने कहा कि दोनों संगठन मिलकर इटली के अंगूर-बेल नर्सरी क्षेत्र के लगभग पूरे हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। रिपोर्ट में उद्धृत टिप्पणियों में Miva के अध्यक्ष Dino Scanavino और Friuli Venezia Giulia नर्सरी संघ के लिए VCR के निदेशक Yuri Zambon ने कहा कि देश को पुराने अंगूर के बागों की जगह वैसे ही नए बाग लगाने से आगे बढ़ना चाहिए। इसके बजाय निवेश को ऐसे नए रोपण विकल्पों की ओर मोड़ना चाहिए जो आने वाले दशकों में मजबूती और गुणवत्ता बेहतर कर सकें।

उनका तर्क इस विचार पर आधारित है कि नर्सरी उत्पादन केवल सहायक गतिविधि नहीं, बल्कि वाइन उद्योग के बदलाव की रणनीतिक कड़ी है। प्रमाणित बेलों की रोपण सामग्री और अधिक सख्त फाइटोसैनिटरी नियंत्रणों की मांग करके, ये संगठन सार्वजनिक सहायता को नए अंगूर के बागों की गुणवत्ता और स्वास्थ्य स्थिति से जोड़ रहे हैं। वे नर्सरी में नवाचार को जलवायु परिवर्तन से निपटने की व्यापक कोशिश का हिस्सा भी मानते हैं, क्योंकि रूटस्टॉक्स और अंगूर की किस्में पानी के उपयोग, रोग-प्रतिरोध, पकने के तौर-तरीकों और फसल की एकरूपता को प्रभावित कर सकती हैं।

इसी रिपोर्ट में नर्सरी संचालक Marco Vacchetti का एक अलग, लेकिन इससे जुड़ा प्रस्ताव भी रेखांकित किया गया है। उनका सुझाव है कि इटली में वाइन अंगूर की किस्मों के वर्गीकरण को सरल बनाया जाए। मौजूदा व्यवस्था नई या पहले बाहर रखी गई रोपण सामग्री को अपनाने की प्रक्रिया धीमी कर सकती है, क्योंकि खेती के नियम और अपीलेशन के नियम आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हैं। Vacchetti का प्रस्ताव इन दोनों मुद्दों को अलग करने का है।

Unione Italiana Vini के बताए तरीके के तहत, किसी अंगूर की किस्म को राष्ट्रीय रजिस्टर में सूचीबद्ध होने पर उगाया जा सकेगा। वहीं, उस किस्म का DOC, DOCG या IGT वाइन में इस्तेमाल किया जा सकता है या नहीं, इसका फैसला अपीलेशन को नियंत्रित करने वाले क्षेत्रीय प्राधिकरणों के हाथ में रहेगा। व्यवहार में, इसका मतलब होगा कि किसी किस्म को अधिक आसानी से लगाया और परखा जा सकेगा, लेकिन इससे उसे संरक्षित अपीलेशन में इस्तेमाल की स्वत: अनुमति नहीं मिलेगी।

इस बदलाव के समर्थकों का कहना है कि इससे ऐसी प्रतिरोधी किस्मों और स्थानीय अंगूरों का खेतों में परीक्षण तेज़ी से हो सकेगा, जिन्हें फिलहाल खेती से बाहर रखा गया है। इससे उन परीक्षणों को दोहराने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी जिन्हें अन्य जगह पहले ही मान्यता मिल चुकी है, और वास्तविक अंगूर-बाग परिस्थितियों में कृषि-विज्ञान तथा वाइन बनाने से जुड़े अधिक आंकड़े जुटाने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के अनुसार, इसका उद्देश्य अपीलेशन के नियमों को कमजोर करना नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर मानकों पर नियंत्रण कायम रखते हुए प्रयोगों को आसान बनाना है।

इटली में यह अंतर अहम है, जहां वाइन क्षेत्र सख्त भौगोलिक पहचान और स्थानीय किस्मों के विशाल भंडार—दोनों पर आधारित है। किस्मों की व्यवस्था में किसी भी बदलाव से पारंपरिक नियमों को बनाए रखने और उत्पादकों को नए रोग-जोखिमों, जलवायु परिस्थितियों तथा उपभोक्ता पसंद में बदलाव के अनुसार तेजी से प्रतिक्रिया देने की छूट देने के बीच लंबे समय से चला आ रहा तनाव सामने आता है। खेती के लिए अधिक लचीली व्यवस्था से उत्पादक विकल्पों को परख

सकेंगे, बिना संरक्षित वाइन की संरचना में तत्काल बदलाव किए।

नर्सरी समूहों के प्रस्ताव मौजूदा वाइन मंदी से निपटने की एक व्यापक रणनीति की ओर इशारा करते हैं। पहले अंगूर-बागों का क्षेत्र घटाने और बाद में प्रतिस्पर्धा के मुद्दे पर ध्यान देने के बजाय, वे ऐसी सार्वजनिक नीति की मांग कर रहे हैं जो पुन:रोपण को औद्योगिक और पर्यावरणीय उन्नयन के रूप में देखे। उनका मानना है कि नवीनीकरण पर खर्च से अंगूर-बागों का प्रदर्शन और उत्पादों की बाजार स्थिति एक साथ बेहतर हो सकती है, जबकि बेलें उखाड़ने से क्षमता घटेगी, पर जरूरी नहीं कि क्या और कैसे उत्पादन किया जाए, इस बुनियादी समस्या का समाधान हो।

इस दृष्टिकोण को समर्थन मिलेगा या नहीं, यह इस पर निर्भर करेगा कि इटली और यूरोप के नीति-निर्माता आपूर्ति नियंत्रण और निवेश सहायता के बीच संतुलन कैसे बनाते हैं। लेकिन Miva और Friuli Venezia Giulia नर्सरी संघ के हस्तक्षेप से स्पष्ट है कि उद्योग का एक हिस्सा चाहता है कि मौजूदा वाइन संकट से निपटने की कोशिश में हेक्टेयर घटाने के बजाय बचे हुए अंगूर-बागों को नए सिरे से तैयार करने पर अधिक ध्यान दिया जाए।